AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

मृणाल पाण्डेः व्यक्तित्व एवं कृतित्व एक अध्ययन

सीता राय, डॉ. राजेश कुमार शर्मा, डॉ. शिवानी शर्मा
हिंदी विभाग, भगवन्त विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER /ARTICLE, HERE BY DECLARE THAT THE PAPERSUBMITTED BY MEFOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINEPAPER.IFANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/PATENT/ OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHERWILL NOT BELEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MYCONTENT FROM THE JOURNALWEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT/OR ANYTECHNICAL ISSUE WITH NO VISIBILITY ON WEBSITE/UPDATES, I HAVE RESUBMITTED THIS PAPER FORTHE PUBLICATION.FOR ANY PUBLICATION MATTERS OR ANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDENBY ME OR OTHERWISE, ISHALL BELEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATION OF THE AUTHORATTHE LAST PAGE OF THIS PAPER/ARTICLE

सारांश

मृणाल पांडे जी का स्थान समकालीन साहित्य जगत में विशिष्ट स्थान रखता है।उनका साहित्य रचना संसार बहुत ही अथाह है। उन्होंने नाटक, कहानी ,उपन्यास , निबंध, पत्रकारिता ,आलोचना, खास तौर पर स्त्री विमर्श ,यथार्थ बोध एवं नारी की अस्मिता को जगाने का प्रयास किया है।उनके साहित्य में सामाजिक यथार्थ का चित्रण मिलता है। मृणाल पांडे ने अपने साहित्य जगत में स्त्री–पुरुष के संबंधों को एक नया रूप देने की कोशिश की है उन्होंने आधुनिक जगत में अपनी अस्मिता को तलाशती नारी का चित्रण किया है।

मुख्य शब्दः साहित्य जगत, स्त्री विमर्श ,यथार्थ बोध एवं नारी

मृणाल पांडे का जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व

मृणाल पांडे समकालीन हिंदी साहित्य की एक ऐसी महिला साहित्यकार एवं रचनाकार है जिन्होंने अपनी रचनात्मक उपस्थिति से गद्य साहित्य की तमाम विधाओं को समृद्ध किया है। मृणाल पांडे जी जानी–मानी लेखिका ,कवयित्री और राष्ट्रीय कवि रवीद्र नाथ टैगोर की प्रिय शिष्य श्रीमती गौरा पंत शिवानी की सुपुत्री है।इनका जन्म मध्य प्रदेश की टीकमगढ़ जिले में 26 फरवरी 1946 को हुआ। उनका परिवार एक साहित्यिक परिवार था, पिता श्री सुखदेव पंथ उत्तर प्रदेश राज्यउच्च शिक्षा मंत्री थे।मृणाल पांडे के तीन बहने और एक भाई हैं।पांडे नानाजी अश्विन कुमार पांडे राजकोट के राजकुमार थे।

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

मृणाल पांडे जी का व्यक्तित्व

मृणाल पांडे की कहानियां कहानी कला की दृष्टि से अत्यंत श्रेष्ठ है। यह कहानियां हमारे समय की कहानियां है। यह कलाकार के कलात्मक और सृजन प्रतिभा से चलकर निकली है।उनकी कहानियां अपने परिवेश को ही नहीं व्यक्त करती हैं बल्कि मध्यवर्गीय जीवन की व्यापकता इसमें देखने को मिलती है टूटते हुए मानवीय मूल्यों पर गहन चिंता, रचनात्मक धरातल पर, इनकी रचनाओं में व्यक्त हुई है। मृणालपांडे की कहानियों के संबंध में यह कहा जाता है कि इनकी हर कहानी एवं घटनाओं के पात्र के जरिए उन्होंने सत्य से एक आवश्यक एवं कुतूहल भरा साक्षात्कार कराया है। साहित्य में जीवन जीना सिखाने की बजाय टुकड़ा टुकड़ा दिखाता है। वे तमाम नर्क– स्वर्ग, राग – विराग ,सारी उदारता एवं संगीत भरे मोड जिनका सम्मिलित नाम जीवन है, जो साहित्य उतारता है।वह अंतिम सत्य एवं सार्वभौम आदर्श नहीं ,वह बहुस्तरीय है, यथार्थ है। नारी की अस्मिता के लिए आधुनिक सामाजिक परिवेश में जो लेखिका अपनी कलम से संघर्ष कर रही थी, उनमें मृणाल पांडे जी का नाम अग्रणी है। समकालीन हिंदी साहित्यकारों में मृणाल पांडे जी इसलिए खास है क्योंकि उन्होंने जिंदगी को नजदीक से देखने, अनुभव करने तथा जीवन संपर्क से उसकी सजीव, सशक्त अभिव्यक्ति साहित्य में देने की कोशिश की है। साहित्य की अक्सर सभी विधाओं में उन्होंने सफलतापूर्वक कलम चलाई है उनका रचना संसार बहुत व्यापक है। रचनाकार के रूप में ही नहीं बल्कि समाज सेविका के रूप में भी उनका खास महत्व है।

मृणाल पांडे की प्रमुख रचनाएं कहानियां

- यानी कि एक बात थी
- चार दिन की जवानी तेरी
- एक स्त्री का विदागीत
- बच्चों ली की चौकीदारी की कड़ी
- दरम्यान
- शब्दावेदी
- एक नीच ट्रेजेडी

उपन्यास

- विरुद्ध
- पटरंगपुर पुराण
- अपनी गवाही
- हमका दिया परदेस
- रास्तों पर भटकते हुए

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

- देवी
- सहेली रे

आलोचनास्त्री विमर्श

- परिधि पर स्त्री
- जहां औरतें गढ़ी जातीहै
- बंद गलियों के विरुद्ध
- स्त्री लंबा सफर
- स्त्री देह की राजनीति से देश की राजनीति तक
- ध्वनियों के आलोक में स्त्री

निष्कर्ष

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि मृणाल पांडे जी की कहानी कला अत्यंत समृद्धएवंसाहित्यिक हैं ,उन्होंने अपनी कहानियों के जरिए समकालीन सामाजिक यथार्थ का खुलासा किया है। अधिकांश कहानियों में केंद्र बिंदु नारी ही रही हैं फिर भी समकालीन समाज में होने वाली विभिन्न विसंगतियों पर पांडे जी ने अपनी कलम चलाई। पांडे ने हमारे सामने कई मुद्दों को पेश कर उस बात पर सोच विचार करने का तथा सहज एवं जागृत रहने का आह्वान किया है। उनके कहानी संग्रह के आधार पर यह बताया जा सकता है कि परिवारिक जीवन के विभिन्न पक्ष ,स्त्री–पुरुष संबंध ,परिवार के सदस्यों के आपसी रिश्ते तथा उनके बदलते रूप स्त्री के प्रति समाज का दृष्टिकोण, स्त्री कों दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की प्रवृत्ति,नौकरी पेशा नारी की यातनाएं,मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों का खोखलापन, परिस्थितिक सजगता आदि जैसे विभिन्न पक्षों पर पांडे जी ने अपने कथा साहित्य में प्रकाश डाला है। इनका कथासाहित्य महत्वपूर्णएवं समसामयिक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉक्टर सुशील वर्मा, "आधुनिक समाज की नारी चेतना" आशा प्रकाशन आगरा ,1998.
2. डॉ मीनाक्षी व्यास, "नारी चेतना और सामाजिक विधान" रोशनी प्रकाशन, कानपुर ,2008.
3. डॉक्टर पांडे दर्शन, "नारी अस्मिता की परख" संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2004.
4. डॉ भगवती प्रसाद सिंह,"साहित्य और संस्कृति कुछ अंतर यात्राएं"प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ,1980.

AIRO JOURNALS
Free / Unpaid
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume:4 Issue:3
December 2023
Impact Factor: 11.9
Subject: Humanities

5.मृणाल पांडे, ‘‘परिधि पर स्त्री त्रिभुज के बारे में सोचते हुए’’पृष्ठसंख्या 35.
6. गोपाल शर्मा, ‘‘लोक कथा में जीवन’’पृष्ठ संख्या 68.
7. मृणाल पांडे‘‘संपूर्ण नाटक आदिम जो मछुआरा नहीं था’’ पृष्ठ संख्या 102.
8. दिनेश द्विवेदी,‘‘महिला कथाकारो की कहानिया’’ पृष्ठ संख्या 10.
9. मृणाल पांडे,‘‘जहां औरतें गढ़ी जाती है’’ पृष्ठ संख्या 6.
10. पुष्प पाल सिंह,‘‘समकालीन कहानी रचना मुद्रा’’पृष्ठ् संख्या 208.
11. हिंदी साहित्य का संदर्भ कोश’’पृष्ठ संख्या 301.
12. डॉ महेंद्र कुमार मिश्रा, ‘‘हिंदी विश्वकोश’’अरिहंत पब्लिकेशन हाउस, जयपुर 2012.

Author’s Declaration

I as an author of the above research paper/article, hereby, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patentor anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website/amendments/updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct, I shall always be legally responsible. With my whole responsibility legally and formally I have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there is no unaccepted plagiarism and hentriacontane is genuinely mine. If any issue arises related to Plagiarism/Guide Name /Educational Qualification/Designation /Address of my university /college /institution/Structure or Formatting/ Resubmission / Submission /Copyright /Patent/Submission for any higher degree or Job/Primary Data/Secondary Data Issues. I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the data base due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formal responsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Aadhar/Driving License/Any Identity Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper may be rejected or removed from the website anytime and may not be consider for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper may be removed from the website or the watermark of remark/actuality maybe mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me

सीता राय,
डॉ. राजेश कुमार शर्मा,
डॉ. शिवानी शर्मा